2014-15

कूट सं. : 820141.1-SA$_1$ (M)

हिंदी

(संकलनात्मक मूल्यांकन - I)

अंक विभाजन तथा उत्तर संकेत

कक्षा - आठवीं

अधिकतम अंक : 90

निर्देश : यदि कोई ऐसा सही उत्तर, जो परीक्षार्थी ने लिखा हो परंतु निम्नलिखित उत्तर संकेत में सम्मिलित न हो, तो उसके भी यथासंभव अंक दिए जाऐं।

प्रश्न संख्या	मुख्य बिंदु / उत्तर संकेत	मुख्य बिंदु हेतु अंक	कुल अंक
	खंड - 'क'		
1.	(क) (ii) धैर्य और आत्मविश्वास	1	
	(ख) (iii) निराश नहीं होना चाहिए	1	
	(ग) (iii) मकड़ी को बार-बार ऊपर चढ़ते देखकर	1	
	(घ) (ii) औरंगज़ेब को	1	
	(ङ) (ii) रेडियम	1	5
2.	(क) (iii) बढ़ती जनसंख्या की फसल	1	
	(ख) (i) वर्षा	1	
	(ग) (iv) उपर्युक्त सभी	1	
	(घ) (iii) सुबह की तरुणाई	1	
	(ङ) (iii) प्रदूषित	1	5
3.	(क) (i) 'धर्म' मूलशब्द	½	
	'इक' प्रत्यय	½	
	(ii) सुकन्या, सुपुत्र (आदि) प्रदेश, प्रभाव	1	2
	(ख) I (i) लहलहाएँगे	½	
	(ii) आनंद	½	1
	II (i) हाज़िर	½	
	(ii) खिलाफ़	½	1
4.	(i) मिठास	1	
	(ii) उड़ान	1	2

प्रश्न संख्या	मुख्य बिंदु / उत्तर संकेत	मुख्य बिंदु हेतु अंक	कुल अंक
5.	(क) (i) रात्रि, निशा (ii) धरा, भू आदि (iii) वस्त्र, अंबर (ख) सुख अन्याय	1 1 1	2 1
6.	(क) (i) दो लड़कियाँ आ रही हैं। (ख) (i) काश! मेरे पास भी ऐसी कार होती। (ii) (?) प्रश्नसूचक चिह्न	1 ½+½ ½+½	3
7.	(क) निर्माण (ख) (i) नींद (ii) दुग्ध	1 1+1	3
8.	अनुप्रास अलंकार - जहाँ एक वर्ण की एक से अधिक बार आवृत्ति होने से चमत्कार उत्पन्न हो, वहाँ 'अनुप्रास अलंकार' होता है। उदाहरण - करुणा करिके करुणानिधि रोए। श्लेष अलंकार - जहाँ शब्द तो एक ही बार प्रयुक्त किया जाए पर उसके एक से अधिक अर्थ हो वहाँ 'श्लेष अलंकार' होता है। उदाहरण - रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून। पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चून।।	2+1	3
9.	आरंभिक प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ विषयवस्तु भाषायी शुद्धता समापन	2 1 1 1	5
10.	विषयवस्तु अभिव्यक्ति भाषायी शुद्धता	2 2 1	5
11.	अभिव्यक्ति सृजनात्मकता भाषायी शुद्धता	2 2 1	5

प्रश्न संख्या	मुख्य बिंदु / उत्तर संकेत	मुख्य बिंदु हेतु अंक	कुल अंक
12.	प्रारूप	½	
	विषयवस्तु	1	
	भाषायी शुद्धता	½	2
13.	प्रारूप	1	
	विषयवस्तु	2	
	आकर्षक अभिव्यक्ति	1	
	भाषायी शुद्धता	1	5
	खंड - 'ख'		
14.	(क) (ii) कपूत से	1	
	(ख) (i) खाली सरोवर	1	
	(ग) (iv) अपना धन	1	
	(घ) (iii) जल	1	
	(ङ) (ii) रहीम	1	5
15.	(क) कोया आदिवासियों का नेता।	1	
	(ख) अपने स्वार्थ पूरे करने के लिए।	1	
	(ग) खेती के माध्यम से।	1	
	(घ) अन्याय के खिलाफ़ लड़ाई।	1	
	(ङ) अन्याय का विरोध करना।	1	5
16.	(क) श्रीधर लेखक की ही उम्र का था परंतु उससे ज़्यादा तगड़ा था, उससे ऊँचा उछल सकता था, बॉल खेल सकता था और अकेला घूमने भी जा सकता था जबकि लेखक ऐसा नहीं कर पाता था इसलिए उसे झुंझलाहट हो रही थी।	3	
	(ख) मानव के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए हम सबको निस्वार्थ भाव से कार्य करने होंगे। मन के फ़ासलों को मिटाना होगा और सबके दुखों को दूर करने का प्रयास करना होगा।	3	
	(ग) पड़ोसियों में अक्सर एक दूसरे के घर में कूड़ा फेंकने, साड़ी, शॉल चाय की पत्ती के लेन-देन तथा केबल का तार काटने को लेकर बहस होती थी।	3	

प्रश्न संख्या	मुख्य बिंदु / उत्तर संकेत	मुख्य बिंदु हेतु अंक	कुल अंक
	(घ) श्री कृष्ण के शीश पर मुकुट हो, कमर पर काछनी, हाथ में मुरली और हृदय पर माला लटक रही हो। ऐसे सुंदर रूप को बिहारी अपने मन में बसाना चाहते हैं।	3	9
17.	(क) भारशून्य संदूक में घुसते ही देह का वज़न गायब हो जाता है। शरीर रहता है पर वज़न नहीं। अत: ज़िंदा रहकर भी यह समझ नहीं पाता कि जीवित है या मृत।	3	
	(ख) दारा बहुत ही बुद्धिमान था। गाँव वाले अपनी कठिन और जटिल समस्याएँ लेकर उसके पास आते और वह उन्हें बड़ी बुद्धिमानी से सुलझा देता था। इसलिए गाँव वाले दारा का बहुत सम्मान करते थे।	3	
	(ग) दुख में हार न मानो कविता के आधार पर हमें ईश्वर को प्राप्त करने के लिए दीन-दुखियों की मदद करनी चाहिए। उनके आँसू पोंछने चाहिए और बेबस लाचार लोगों की करुण पुकार को सुनना चाहिए।	3	
	(घ) लेखक को पता है कि 'केबल' टी.वी. नई पीढ़ी के लिए बहुत नुकसानदेह है। इसका दुष्प्रभाव बच्चों की पढ़ाई पर तो पड़ता ही है इससे उनकी नज़र भी कमज़ोर हो जाती है इसलिए वे पड़ोसी की केबल का तार काट देते हैं।	3	
	(ङ) गाँधी जी के पास जो भी चिट्ठियाँ आती थीं, उनके लिफ़ाफे, तार के काग़ज चिट्ठियों में एक तरफ से कोरे कागज़ या बचे हुए काग़ज को भी संभालकर, काटकर रखते थे।	3	
	(च) गाँधी जी का जीवन सादगी, प्रेम सत्य, अहिंसा, कर्त्तव्यनिष्ठा, देशप्रेम ईश्वर पर सच्चा विश्वास, ईमानदारी तथा कठोर अनुशासन जैसे जीवन-मूल्यों से प्रेरित करता है। वे केवल उपदेशक नहीं थे। कर्मयोगी थे।	3	15
18.	(क) (ii) तूश के शॉल पर	1	
	(ख) (iii) पुराना कोट	1	
	(ग) (ii) कपूर	1	
	(घ) (iii) गजेंद्र सिंह सोलंकी	1	
	(ङ) (i) मुक्ताहार	1	
	(च) (i) महाशून्य संदूक में।	1	6